PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

| | |
|---|---|
| Publication | The Times of India |
| Language/Frequency | English/Daily |
| Page No. | 03 |
| Date | 10th July 2016 |

THE TIMES OF INDIA

# Schools, parents count on tracker apps as safety concerns rise

TIMES NEWS NETWORK

**Gurgaon**: Schools in the city seem to be going the extra mile in ensuring that their students get the best of technology when it comes to safety — in fact, they are increasingly banking on mobile applications and gadgets to help parents as well as themselves keep a tab on children.

Companies like Evoxyz, AppAlert and Studentshield have already seized the opportunity and come up with real-time tracking apps that lets parents know their kids are safe — whether on their way to or back from school.

Evoxyz, for instance, has developed an app called Evoschool, which lets schools and parents monitor their children within the school premises. It does that by providing a real-time location of the bus, real-time expected time of arrival (ETA) and details of activities of the child on campus.

Many schools have tied up with Evoxyz to get tags for their students.

"Keeping the current scenario in mind, monitoring children through technology is the ultimate solution. These apps ensure that there is transparency that helps the schools as well as parents," Rupa Chakravarty, principal of Suncity School, told **TOI**.

Another such solution is AppAlert. Founded by Ashuwinder Raj Singh in October 2015, AppAlert helps parents connect to school buses through a smartphone.

The device is controlled by school staff or a guardian manning the bus.

The guardian uses the app to mark attendance once the student boards or de-boards the bus, and the data is shared with the parents through the cloud. The parents are then alerted through the smartphone app.

"The app will also have an admin login for the school through which it can track the buses and their location, and also geofence their routes," said Singh. He added that he is in touch with many schools for tie-ups.

Another city-based entrepreneur, Vishal Sharma, has unveiled Studentshield, an app that builds devices which, when fitted inside school-buses, tracks them real-time and also live-streams from the bus.

"The solution comes with a chip installed in every student's ID card, along with devices fitted in the buses that will help track the student real-time," said Sharma. The team is working with four schools in Gurgaon, including Amity International.

Last year, Sharma's team had made a presentation to the secretary of the Road Transport Authority, and RTA officials expressed great interest in the product and the service.

## APPS THAT BECOME YOUR EYES

### Evoschool

- Tags given to the child to help parents and school admin monitor whereabouts
- Logs in automatically when a child enters/leaves school premises
- Allows tracking of students within buses
- Sends notifications of bus route changes or delays
- Tags attached in buses too to help monitor routes

### AppAlert

- A device planted on the bus which helps track it in real-time
- Alerts sent when school bus nears home or leaves school
- Also helps parents track child; conductor marks attendance on a device as child boards/deboards
- Lets parents know if a bus is on a route not approved by them

### Studentshield

- Tag attached to student's identity card
- Devices installed in buses
- Software installed on school administrator's system to track buses and students
- Parents can track kids through app
- Also live-streams videos from buses using devices installed in the vehicle

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

| Publication | Navbharat Times |
| --- | --- |
| Language/Frequency | Hindi/Daily |
| Page No. | 02 |
| Date | 10th July 2016 |

NBT
नवभारत टाइम्स

# चाइल्ड सेफ्टी को लेकर हुई स्कूलों की मीटिंग

## दिल्ली-गुड़गांव के 50 स्कूलों के प्रिंसिपल हुए शामिल

■ एनबीटी न्यूज, गुड़गांव

चाइल्ड सेफ्टी को लेकर शनिवार को दिल्ली-गुड़गांव के लगभग 50 स्कूलों के प्रिंसिपलों की मीटिंग हुई। इसमें टेक्नॉलजी से किस तरह से बच्चों को सुरक्षित रखा जा सकता है विषय पर खासतौर से चर्चा हुई। यहां पर चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट भी इक्ट्ठा हुए। यह मीटिंग सुशांत लोक के एक होटल में आयोजित की गई। इस मौके पर बच्चों की सेफ्टी को देखते हुए हाल ही में लॉन्च किए गए इवो टैग के बारे में भी स्कूलों को जागरूक किया गया। इसके साथ ही ईवो स्कूल ऐप के बारे में भी बताया गया। इससे बच्चों पर किस तरह से नजर रखी जा सकती है और इससे पैरंट्स के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन को किस तरह से फायदा मिलता है। इस बारे में इवोटैग की ओर से जानकारी दी गई। चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट रोमा कुमार ने बच्चों की सेफ्टी और उनमें आने वाले बदलावों के बारे में बताया।

### स्कूलों को इवो टैग के बारे में दी जानकारी

सनसिटी स्कूल ग्रुप की डायरेक्टर रूपा चक्रवर्ती ने इस मौके पर बताया कि टेक्नॉलजी के माध्यम से भी स्कूली बच्चों को किसी तरह से सुरक्षित रख सकते हैं। साथ ही होने वाली दुर्घटना से भी बचा सकते हैं। वहीं, दिल्ली के शेमफोर्ड स्कूल की प्रिंसिपल प्रवीन कुकरेजा ने कहा कि टेक्नॉलजी बच्चों को सुरक्षित रखती है, तो यह बच्चों को बिगाड़ती भी है। ऐसे में बच्चों को सीमित दायरों तक ही स्कूल टाइम में टेक्नॉलजी से जोड़ना चाहिए। कॉन्फ्रेंस में बहुत से मुद्दे उठाए गए, जो बाल शोषण से जुड़े थे। ईवोक्सेज टेक्नॉलजीज की सीईओ शिल्पा माहना भटनागर ने कहा कि टेक्नॉलजी प्लेटफॉर्म की मदद से हम बच्चों को हिंसा, शोषण, उपेक्षा और टकरावों के प्रभावों से बचाने और संरक्षण के लिए देश के वातावरण, क्षमता और जवाबी समय को बेहतर बना सकते हैं।

## बच्चों को किया जागरूक

■ एस, गुड़गांव : जिला क्षय रोग विभाग की ओर से भोंडसी गांव में एचआईवी एड्स और नशा मुक्ति जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। भोंडसी विद्यालय में आयोजित इस अभियान में कक्षा 9 से 12 तक के बच्चों को काउंसलर शिखा गर्ग ने एड्स के बारे में तफसील से बताया। साथ ही इसके खतरे से कैसे बचें यह भी जानकारी दी। इस दौरान स्कूल के 100 से अधिक स्टूडेंट्स वहां मौजूद थे। उन्होंने बताया कि लोगों में यह धारणा बनी हुई है कि एचआईवी एड्स छुआछूत से फैलता है, जबकि ऐसा नहीं है। मनारोग विशेषज्ञ डॉ. ब्रह्मदीप ने इस मौके पर स्टूडेंट्स को बताया कि नशे की शुरुआत 16 से 18 साल के बीच होती है। आगे उन्होंने नशे से होने वाली बीमारी के बारे में विस्तार से बताया। अभियान में पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

| | |
|---|---|
| Publication | Dainik Jagran |
| Language/Frequency | Hindi/Daily |
| Page No. | 02 |
| Date | 10th July 2016 |

दैनिक जागरण

# अभिभावकों को सजग रहने की बताई जरूरत

जासं, गुड़गांव : वर्तमान समय में बढ़ती घटनाओं व असुरक्षा के दौर में बच्चों का ध्यान कैसे रखा जाए, इस पर विचार-विमर्श के लिए एक सेमिनार आयोजित की गई। इसमें शहर के कुछ स्कूलों के साथ अन्य जगहों से स्कूलों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। ईवोक्सिज संस्था की ओर से आयोजित सेमिनार में स्कूल प्राचार्यों के साथ मुख्य वक्ता के तौर पर बाल मनोवैज्ञानिक डा. रेमा कुमार ने लोगों को बाल सुरक्षा के लिहाज से आज के दौर की चुनौतियों के बारे में अवगत करवाया। कार्यक्रम में सनसिटी वर्ल्ड स्कूल की प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि माता पिता को बच्चों को मनोविज्ञान समझने की जरूरत है। उनके मुताबिक बच्चे कई वजहों से असुरक्षित हो सकते हैं। ऐसे में माता पिता को बच्चों का दोस्त बनकर उनके साथ रहना होगा। डा. रेमा के मुताबिक बच्चों में कम उम्र में ही बुरी लतें लग जाती है, जिसका कारण यह है कि माता पिता के पास टाइम नहीं होता या फिर वे बच्चे को डांट फटकार लगाते है व प्यार से ट्रीट नहीं करते। उनके मुताबिक ऐसे में बच्चे अकेलापन महसूस करने लग जाते है। इस अवसर पर मेपल एजुकेशन इंडस्ट्री की प्रबंध निदेशक हेजल शिरोमणि, सनसिटी ग्रुप की निदेशक रूपा चक्रवर्ती, बीयर इंडिया की प्राचार्य अनीता शर्मा सहित कई अन्य लोग वहां मौजूद रहे।

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

| | |
|---|---|
| Publication | Punjab Kesari |
| Language/Frequency | Hindi/Daily |
| Page No. | 01 |
| Date | 10th July 2016 |

पंजाब केसरी

# बच्चों के गतिविधियों पर नजर रखेगा एप

## कान्फ्रेंस में एक कंपनी ने अपने खास एप 'ईवोस्कूल' को किया प्रदर्शित

गुडगांव, 9 जुलाई (ब्यूरो): बच्चों के सुरक्षित भविष्य को लेकर शनिवार को एक कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न स्कूलों के प्राध्यापकों सहित शिक्षा विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्रदाता कंपनी ईवोक्सेज द्वारा किया गया।

इंटेरेक्टिव सेशन के दौरान कंपनी ने अपने खास एप 'ईवोस्कूल' को भी प्रदर्शित किया। इवोस्कूल बच्चों के लिए एक व्यापक सुरक्षा तंत्र है जो प्रभावी होने के साथ स्कूल एवं अभिभावकों को घर, रास्तों व स्कूल आदि की गतिविधियों पर नजर रखेगा। बच्चों की सुरक्षा की दिशा में एक बेहतरीन पहल ईवोस्कूल को शिक्षा जगत के प्रमुख संस्थानों ने भी सराहा है।

इस मौके पर उपस्थित जाने माने लोगों में हेज़ल सिरोमणि, रूपा चक्रवर्ती (एजुकेशन डायरेक्ट-सनसिटी ग्रुप) अनिता शर्मा (प्रिंसिपिल-एसडी पब्लिक स्कूल पीतमपुरा) व डा. रोमा कुमार (जानीमानी बाल मनोवैज्ञानिक) ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कान्फ्रेंस में उठाए गए मुद्दे में प्रमुख रूप से बाल शोषण से जुड़े थे। वहां मौजूद ऊर्जावान हस्तियों के सामने टेक्नोलॉजी की ताकत को दिखाया गया और बच्चों की सुरक्षा में इसकी सशक्त भूमिका पर जोर दिया गया। ईवोक्सेज ने अपने इस अनूठे मोबाइल एप के जरिए बच्चों की सुरक्षा में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल में अतुलनीय योगदान दिया है। यह एप सुरक्षा का एक नया चक्र विकसित कर स्कूल के माहौल को सुरक्षित बनाने की उम्मीद जताई गई।

| | |
|---|---|
| Publication | Amar Ujala |
| Language/Frequency | Hindi/Daily |
| Page No. | 03 |
| Date | 10th July 2016 |


अमर उजाला

# बच्चों की सुरक्षा के मोबाइल ऐप किया लांच

गुड़गांव (ब्यूरो)। टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्रदाता कंपनी ईवोक्सेज की ओर से शनिवार को एक होटल में 'बच्चों के लिए सुरक्षित दुनिया, एक तकनीकी पहल' विषय पर एक कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस मौके पर ईवोक्सेज ने एजुकेशन मोबाइल ऐप ईवोस्कूल लांच किया। इस ऐप में एक सुरक्षा तंत्र है। इसके माध्यम से अभिभावक स्कूल, रास्ते और घर में बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रख सकते हैं। दावा किया जा रहा है कि यह बच्चों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत विकल्प है। ईवोस्कूल को शिक्षण संस्थानों ने भी सराहा है। कांफ्रेंस में मौजूद लोगों ने कहा कि तकनीक के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा बेहतर ढंग से हो सकती है। यह ऐप स्कूल बस की वास्तविक स्थिति, बच्चों की गतिविधि की सटीक निगरानी करता है।